प्र.1 – नेपाल के नए संविधान बनने के बाद मधेशी समस्या का समाधान अभी तक नहीं किया गया है। इस मुद्दे को हल करने के लिए भारत द्वारा क्या प्रयास किया जा रहा है? क्या भारत नेपाल के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है? विस्तार से चर्चा कीजिए। (200 शब्द)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:

- भूमिका में नेपाल के नए संविधान बनने के बाद मधेशी समस्या का समाधान क्यों नहीं किया गया।
- इस मुद्दे को हल करने के लिए भारत द्वारा क्या प्रयास किया जा रहा है।
- क्या भारत नेपाल के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है।
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

नेपाल के दक्षिण भाग के मैदानी भाग में रहने वाले नेपाली लोगों को मधेशी कहा जाता है। अवधी, भोजपुरी, मैथिली और अन्य भाषाएं बोलने वाले लोग बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग जैसे दिखते हैं।

मधेशी लोग लम्बे समय से स्वायत्त राज्य की मांग कर रहे हैं, वे दावा करते हैं कि नेपाल में तैयार किए गए नए संविधान में उनको राजनीतिक प्रतिनिधित्व घटा दिया गया है। मधेशी लोग आंदोलन कर रहे हैं। सरकार आंदोलन को दबाने के लिए सेना का इस्तेमाल किया जिसमें कई प्रदर्शनकारियों को मौत हो गई। भारत-नेपाल सीमा बंद कर दिया जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार स्थिर हो गया।

भारत ने हमेशा नेपाल को हमेशा मदद किया है। नेपाल में भूकंप के दौरान सभी सहायता उपलब्ध कराया गया। नेपाल के संविधान के विकास के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान की। भारत इस क्षेत्र में एक स्थिर लोकतंत्र है, भारत ने नेपाली सरकार को उचित संवैधानिक सिद्धांतों के बारे में बताया है। मधेशी लोगों के लिए संविधान में बराबर प्रतिनिधित्व दिया जाए। महिलाओं को नागरिकता प्रदान की जाए। ऐसे कई मुद्दे हैं, जो भारत ने मधेशी लोगों के विकास के लिए नेपाली सरकार से बात की है।

जहां तक बात भारत की आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कि है तो नेपाल द्वारा कहा गया कि भारत मधेशी आंदोलन को सहायता दे रहा है। हस्तक्षेप की जहां तक बात है तो यह प्रतीत होता हैं कि चीन, नेपाल में प्रतिक्रियावादी नीतियों को प्रोत्साहन दे रहा हैं। इससे भारत-नेपाल के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ता है तथा दूसरी तरफ नेपाल के माओवादी सरकार का झुकाव चीन की तरफ बढ़ता जा रहा है। ऐसे में भारत को नेपाल के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना सही है।

प्रश्न – भारत और पाकिस्तान के बीच सियाचिन क्षेत्र विवाद राजनीतिक रूप से कम बल्कि भौगोलिक अवस्थिति के कारण बना हुआ है। इस समस्या के समाधान के लिए दोनों देशों को क्या प्रयास करना चाहिए? चर्चा करें। **(200 शब्द)**

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:

- भूमिका में भारत और पाकिस्तान के बीच सियाचिन क्षेत्र विवाद क्या है? चर्चा करें।
- सियाचिन क्षेत्र विवाद राजनीतिक रूप से कम बल्कि भौगोलिक अवस्थिति के कारण बना हुआ है क्यों? चर्चा करें।
- इस समस्या के समाधान के लिए दोनों देशों को क्या प्रयास करने चाहिए।
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

सियाचिन भारत-तिब्बत सीमा के पास जम्मू-कश्मीर के उत्तर में स्थिति निर्जन भू-भाग है। 1972 में शिमला समझौते में लाइन ऑफ कंट्रोल (LOC) खींची गई थी। इस रेखा की अंतिम बिन्दु को NJ9842 कहा जाता है। पाकिस्तान NJ9842 से सीधी रेखा से सीमा का निर्धारण करता है। जिसके कारण भारत का लद्दाख क्षेत्र से संबंध टूट जाएगा।

दोनों देश अपने-अपने सामरिक हित को साधना चाहते हैं। हालांकि यह विवाद राजनीतिक रूप से नहीं, बल्कि भौगोलिक अवस्थिति के कारण बना हुआ है।

- यहां Pok, चीन का सिक्यांग क्षेत्र, अफगानिस्तान तथा मध्य एशिया के अनेक सामरिक स्थानों पर नजर रखी जा सकती है।
- वर्तमान में भारत द्वारा सीपीईसी के तहत विकसित किये जा रहे काराकोरम राजमार्ग की निगरानी की जा सकती है।
- सियाचिन ग्लेशियर के माध्यम से भारत ने नुब्रा और श्योक नदी पर नियंत्रण बनाये रखा है।

इस समस्या के समाधान के लिए दोनों देशों को निम्नलिखित कदम उठाने की आवश्यकता है-

- दोनों देशों को आपसी समझौते के आधार पर समस्या का समाधान किया जाना चाहिए।
- 80 के दशक में यह क्षेत्र महत्वपूर्ण था, अब यह क्षेत्र प्रौद्योगिकी द्वारा पूर्ण किया जा सकता है। इस मुद्दे से ध्यान हटाते हुए द्विपक्षीय सहयोग पर ध्यान देना चाहिए।
- सियाचिन विवाद क्षेत्र में दोनों देशों को ग्लोबल वार्मिंग के कारण सैनिकों को हटाना चाहिए। हांलाकि तकनीकी निगरानी में वृद्धि कर समस्या का समाधान करना चाहिए।